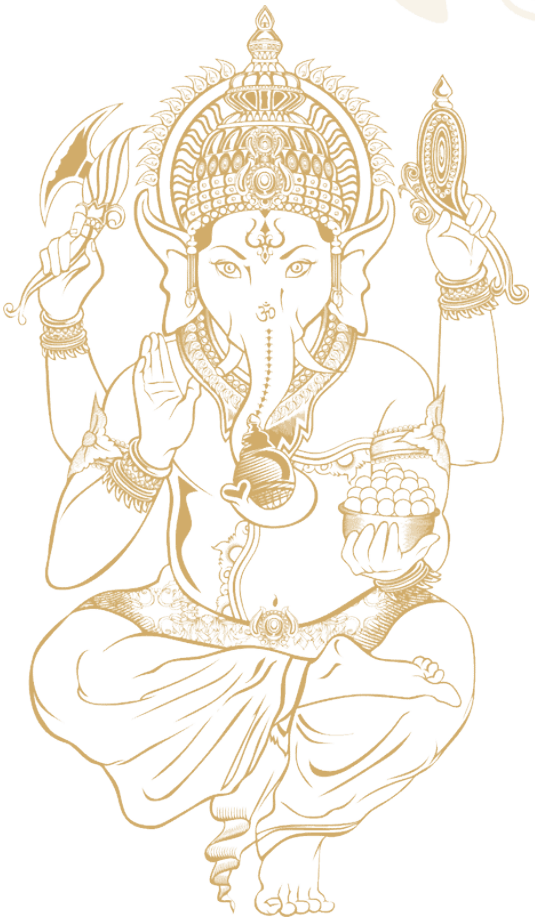

????? ?????

02 Feb 2000

08:30 PM

Ballabgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 119976002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/02/2000**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**20:30:35 घंटे**
इष्ट	33:25:01 घटी
स्थान	**Ballabgarh**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:20:00 उत्तर
रेखांश	77:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:09:51 घंटे
वेलान्तर	-00:13:39 घंटे
साम्पातिक काल	04:58:21 घंटे
सूर्योदय	07:08:34 घंटे
सूर्यास्त	18:00:28 घंटे
दिनमान	10:51:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	19:12:52 मकर
लग्न के अंश	22:32:50 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	हर्षण
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	धा-धर्मेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	22:32:50	317:30:00	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			मक	19:12:52	01:00:54	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	16:55:46	11:52:56	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	सम राशि
मंगल			कुंभ	28:56:10	00:46:03	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	सम राशि
बुध			कुंभ	01:30:52	01:43:42	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
गुरु			मेष	04:18:33	00:08:07	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			धनु	16:57:18	01:13:50	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	सम राशि
शनि			मेष	16:51:38	00:02:22	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	नीच राशि
राहु			कर्क	09:52:42	00:00:46	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			मक	09:52:42	00:00:46	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	22:43:49	00:03:29	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप			मक	10:32:21	00:02:16	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	18:33:13	00:01:23	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			वृष	21:56:53	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:17

लग्न-चलित

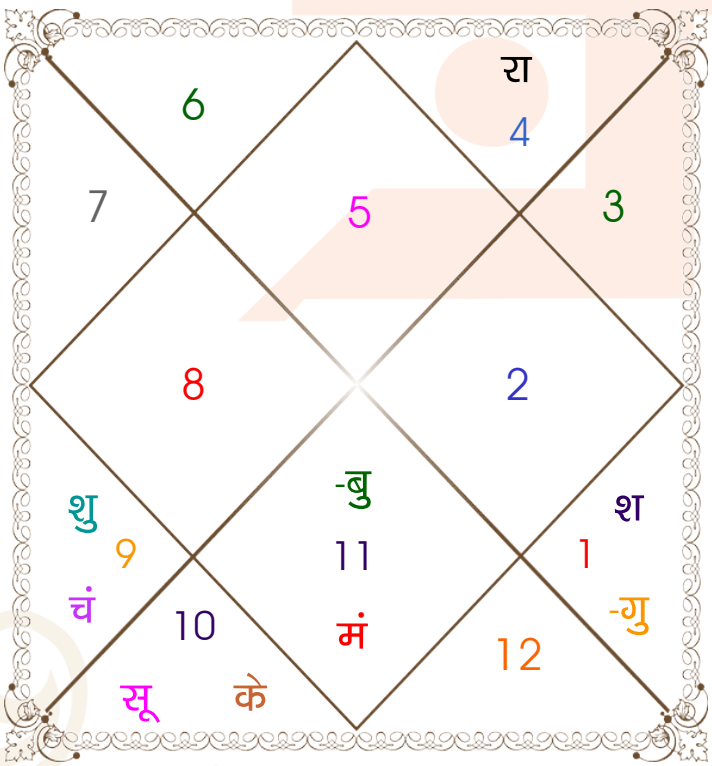

चन्द्र कुंडली

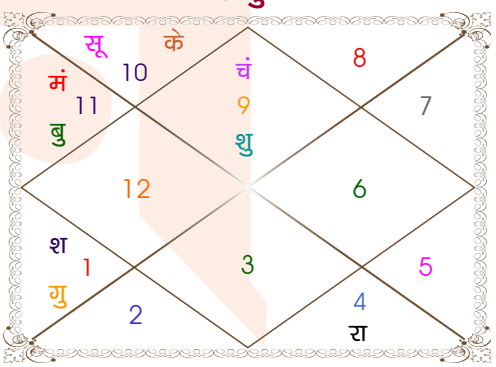

नवमांश कुंडली

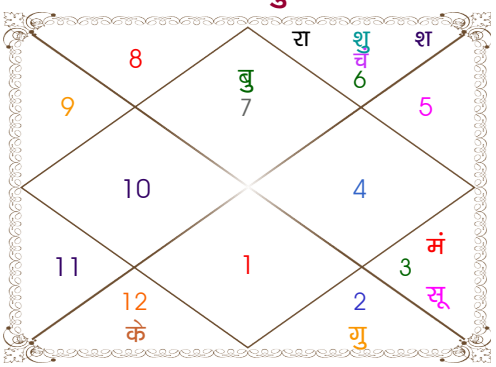

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 14 वर्ष 7 मास 8 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
02/02/2000		11/09/2014		11/09/2020		11/09/2030		11/09/2037	
11/09/2014		11/09/2020		11/09/2030		11/09/2037		11/09/2055	
	00/00/0000	सूर्य	30/12/2014	चंद्र	12/07/2021	मंगल	07/02/2031	राहु	24/05/2040
	02/02/2000	चंद्र	30/06/2015	मंगल	10/02/2022	राहु	26/02/2032	गुरु	18/10/2042
चंद्र	11/09/2000	मंगल	05/11/2015	राहु	12/08/2023	गुरु	01/02/2033	शनि	24/08/2045
मंगल	11/11/2001	राहु	29/09/2016	गुरु	11/12/2024	शनि	13/03/2034	बुध	12/03/2048
राहु	11/11/2004	गुरु	18/07/2017	शनि	12/07/2026	बुध	10/03/2035	केतु	31/03/2049
गुरु	13/07/2007	शनि	30/06/2018	बुध	12/12/2027	केतु	06/08/2035	शुक्र	30/03/2052
शनि	11/09/2010	बुध	07/05/2019	केतु	12/07/2028	शुक्र	05/10/2036	सूर्य	22/02/2053
बुध	12/07/2013	केतु	11/09/2019	शुक्र	13/03/2030	सूर्य	10/02/2037	चंद्र	24/08/2054
केतु	11/09/2014	शुक्र	11/09/2020	सूर्य	11/09/2030	चंद्र	11/09/2037	मंगल	11/09/2055

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
11/09/2055		11/09/2071		11/09/2090		12/09/2107		12/09/2114	
11/09/2071		11/09/2090		12/09/2107		12/09/2114		00/00/0000	
गुरु	30/10/2057	शनि	14/09/2074	बुध	07/02/2093	केतु	09/02/2108	शुक्र	12/01/2118
शनि	12/05/2060	बुध	24/05/2077	केतु	04/02/2094	शुक्र	10/04/2109	सूर्य	12/01/2119
बुध	18/08/2062	केतु	03/07/2078	शुक्र	05/12/2096	सूर्य	16/08/2109	चंद्र	03/02/2120
केतु	25/07/2063	शुक्र	02/09/2081	सूर्य	11/10/2097	चंद्र	17/03/2110		00/00/0000
शुक्र	25/03/2066	सूर्य	15/08/2082	चंद्र	13/03/2099	मंगल	13/08/2110		00/00/0000
सूर्य	11/01/2067	चंद्र	15/03/2084	मंगल	10/03/2100	राहु	31/08/2111		00/00/0000
चंद्र	12/05/2068	मंगल	24/04/2085	राहु	27/09/2102	गुरु	06/08/2112		00/00/0000
मंगल	18/04/2069	राहु	29/02/2088	गुरु	02/01/2105	शनि	15/09/2113		00/00/0000
राहु	11/09/2071	गुरु	11/09/2090	शनि	12/09/2107	बुध	12/09/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 14 वर्ष 7 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com